an>

Title: Regarding increasing number of accidents in Konkan Railway.

श्री विनायक भाऊराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग) : महोदया, कोकण रेलवे का एक गंभीर मामला मैं शून्य काल में इस सभागृह में रख रहा हूं। अध्यक्ष महोदया, कोकण रेल एक ऐसी रेल है जो उत्तर भारत को दक्षिण भारत से जोड़ती है तथा कई पहाड़ों और नदियों के ऊपर से जाती है। लेकिन दुर्भाग्य से 15 वर्षों के बाद आज कोकण रेलवे की स्थिति बहुत गंभीर बन चुकी है। वहां का रेल मार्ग रिस्की हो चुका है, जिसकी वजह से इस एक वर्ष में 7 बार रेल मार्ग टूट चुका है। कई बार रेल पटरी से उतर चुकी है तथा हादसे हो चुके हैं। उसके लिए जो सीआरएस है उन्होंने 20 अक्टूबर को कोकण रेलवे के महाप्रबंधक भानू तायल को एक पत्र लिखा और उन्होंने बताया कि कोकण मार्ग के जो ट्रैकमैन हैं वे अनट्रेंड हैं। उन्होंने रिपोर्ट में लिखा है कि "USFD operators are not having any knowledge of USFD." और उसके बाद उन्होंने लिखा है कि "Passenger train operation on Konkan Railway is posing a danger to the public using the service." उसके बावजूद भी रेलवे के महाप्रबंधक ने उसके ऊपर अनदेखी की और पैसेंजर ट्रेन के बजाए माल यातायात बहुत तेजी से चालू रखने के बाद आज कोकण रेलवे मार्ग बहुत खतरनाक हो चुका है। उसकी सही तरह से निगरानी रखने के लिए कर्मचारी नहीं हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी और रेलवे बोर्ड का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि सीआरएस का जो रिपोर्ट है उसे गंभीरता से देखें और कोकण रेलवे से यात्रा करने वाले लोगों की जान बचाने का काम करें।